गेवरा और कुसमुंडा विश्व की सबसे बड़ी कोयला खदानों में शामिल

स्रोत: पी.आई.बी.

हाल ही में छत्तीसगढ़ स्थित कोल इंडिया लिमिटेड (CIL) की **सहायक कंपनी साउथ ईस्टर्न कोलफील्ड्स लिमिटेड** (SECL) की **गेवरा और कुसमुंडा कोयला खदानों ने** WorldAtlas.com द्वारा जारी विश्व की 10 सबसे बड़ी कोयला खदानों की सूची में **क्रमशः द्वितीय एवं चतुर्थ स्थान हासिल किया** है।

- छत्तीसगढ़ के कोरबा ज़िले में स्थित ये दो खदानें सालाना 100 मिलियन टन से अधिक कोयले का उत्पादन करती हैं, जो भारत के कुल कोयला उत्पादन का **लगभग 10% है**।
- गेवरा SECL की मेगाप्रोजेक्ट्स में से एक है **एवं वित्त वर्ष 2022-23 के लिये वार्षिक उत्पादन 52.5 मिलियन टन और वित्त वर्ष 2023-24 में 59 मिलियन टन तक पहुँचने के साथ वर्ष 2023 में** देश की सबसे बड़ी कोयला खदान बन गई। वित्त वर्ष 2023-24 में कुसमुंडा खदान से 50 मिलियन टन से अधिक का उत्पादन हुआ।
- ये खदानें बिना विस्फोट के पर्यावरण-अनुकूल कोयला निष्कर्षण के लिये **"सरफेस माइनर" जैसी उन्नत खनन मशीनों का उपयोग करती हैं**।
    - अधिभार हटाने (कोयले की परत को उजागर करने के लिये मिट्टी, पत्थर आदि की परतों को हटाने की प्रक्रिया) के लिये, खदानें पर्यावरण के अनुकूल और विस्फोट-मुक्त ओबी हटाने के लिये वर्टिकल रिपर्स के साथ-साथ **विश्व की कुछ सबसे बड़ी HEMM (हैवी अर्थ मूविंग मशीनरी) का उपयोग करती हैं**।
- **कोल इंडिया लिमिटेड** एक महारत्न कंपनी है, जिसकी स्थापना नवंबर 1975 में की गई थी एवं तब से **यह विश्व की सबसे बड़ी कोयला उत्पादक बन गई है। यह वर्ष 1973 के कोयला खान (राष्ट्रीयकरण) अधिनियम के तहत काम करती है**, जो इसे देश में कोयला खनन और वितरण पर एकाधिकार देता है।

और पढ़ें: कोल इंडिया और CCI

PDF Refernece URL: https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/gevra-and-kusmunda-among-world-s-largest-coal-mines